निष्काम कर्मयोगी

श्री पुष्करलाल केडिया

१·३



स्वकर्म के वल पर राष्ट्रपति के हाथों दो बार पुरस्कृत श्री पुष्करलाल केडिया ने अपना सम्पूर्ण जीवन समाज सेवा को समर्पित किया है और सेवा के सात दशक पूरे करने के बाद आज भी निष्काम सेवा को ही...

सुपरिचित समाजसेवी श्री पुष्करलाल केडिया सेवा की प्रतिमूर्ति हैं। दो बार राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित, सैकड़ों संस्थाओं द्वारा अभिनन्दित एवं भारतीय संस्कृति के वैज्ञानिक स्वरूप एवं राष्ट्र की नई पीढ़ी के चरित्र निर्माण हेतु दर्जनों से अधिक पुस्तकों के मूल चिन्तक एवं लेखक श्री पुष्करलाल केडिया का जन्म राजस्थान के गुढ़ागौड़जी (जिला : झुंझुनू) में 16 जुलाई 1928 को हुआ। कलकत्ता आने पर 10 वर्ष की अल्पायु में ही विद्यालय में 'कब' के रूप में 'स्काउट आन्दोलन' से जुड़ गये और यहीं से शुरु हुई निष्काम सेवा की यह अविरल यात्रा। स्काउटिंग में विभिन्न पदों पर आसीन रहने के बाद सन् 1967 में भारत स्काउट्स एण्ड गाइड्स पश्चिम कलकत्ता के डिस्ट्रीक्ट कमिश्नर एवं सन् 1985 में सहायक राज्य कमिश्नर (प० बंगाल) के पद पर पहुँचे। परहित चिंतन एवं मानव सेवा का पर्याय बन चुके श्री पुष्करलाल केडिया कलकत्ता की कई शीर्षस्थ सेवा-संस्थाओं से अभिन्न रूप से जुड़े हुए हैं। जिनमें प्रमुख हैं :-

- संस्थापक मंत्री : नागरिक स्वास्थ्य संघ
- प्रधान सचिव : श्री विशुद्धानन्द हास्पिटल एण्ड रिसर्च इन्स्टीच्यूट (सन् 1967 से)
- संस्थापक अध्यक्ष : मनीषिका
- संस्थापक प्रधान सचिव : गुढ़ा गौड़जी वेलफेयर सोसाइटी

श्री केडिया सभा, मातृ मंगल प्रतिष्ठान आदि अनेक संस्थायें।

विशिष्ट सम्मान-पदकों से विभूषित श्री पुष्करलाल केडिया

- राष्ट्रपति **श्री फखरुद्दीन अली अहमद** द्वारा राष्ट्रपति भवन में स्काउट-आन्दोलन के द्वितीय सर्वोच्च सम्मान **''सिल्वर स्टार''** से अलंकृत (1974)
- **अग्रवाल सेवा समाज** (1990) – अग्रविभूति सम्मान
- **विचार मंच** (1990) – विशिष्ट सेवा सम्मान
- राष्ट्रपति **श्री आर० वेंकटरमण** द्वारा स्काउट-आन्दोलन के सर्वोच्च अलंकरण **''सिल्वर एलीफैन्ट''** से अलंकृत (1991)
- **रोटरी क्लब ऑफ बड़ाबाजार** (1995) – विशिष्ट सेवा सम्मान
- **लायन्स क्लब ऑफ डिस्ट्रीक्ट 322बी** (1996) – टॉप पर्सनिलिटीज
- **रोटरी क्लब ऑफ सेन्ट्रल कलकत्ता** (1996) – पश्चिम बंग कीर्तिमान मानुष
- **बड़ाबाजार कुमारसभा पुस्तकालय** (1996) – विशिष्ट सेवा सम्मान
- पश्चिम बंगाल के राज्यपाल **श्री वीरेन जे. शाह** द्वारा राजस्थान के स्थापना की स्वर्ण जयन्ती के अवसर पर **''भामाशाह सेवा सम्मान''** (2000)
- भारतीय बाल कल्याण संस्थान, कानपुर द्वारा **''बालबन्धु आचार्य कृष्ण विनायक फड़के''** सम्मान (2001)
- विक्रमशिला हिन्दी विद्यापीठ, भागलपुर द्वारा **''विद्या वाचस्पति (PHD)''** की मानद उपाधि से विभूषित (2003)
- प० बंगाल के भूतपूर्व मुख्यमंत्री माननीय **श्री ज्योति बसु** द्वारा **'उत्कृष्ट सेवा कार्य''** हेतु सम्मानित (2006)
- प० बंगाल के राज्यपाल माननीय **श्री गोपाल कृष्ण गांधी** द्वारा **उत्कृष्ट समाजसेवी का सम्मान पत्र** (राजस्थान फाउण्डेशन 2006)

- भारतीय संस्कृति के वैज्ञानिक स्वरूप पर अनेक पुस्तकों का

लेखन, प्रकाशन एवं देश के लगभग 250 स्थानों पर वितरण। इनकी लिखी पुस्तकें भारतीय धर्म एवं संस्कृति में गहन रूचि रखने वाले प्रबुद्धजनों द्वारा प्रशंसित। इन पुस्तकों के अनुवाद अंग्रेजी, बंगला तथा अन्य विविध भारतीय भाषाओं में हो चुके हैं। इनकी सर्वप्रशंसित पुस्तकों के नाम हैं – भगवान श्री गणेश, समृद्धिदात्री महालक्ष्मी, भगवान शिव, देवों का मंत्रिमण्डल, हमारा विराट् स्वरूप, धर्म और जीवन–दर्शन, धर्म जीवन और विज्ञान, विश्वगुरु भारत, गहरे सागर के मोती, मैं भी महान बनूँगा, हृदय–परिवर्तन, विचार–मंथन, हमारी महान शक्तियाँ, जीवन दर्शन, संस्कार सोपान, ज्ञान गंगा इत्यादि।
- अपने पैत्रिक स्थल केड ग्राम (झुन्झुनू) एवं गुढ़ा गौड़जी (झुन्झुनू) का सर्वांगीण विकास।
- राष्ट्र की नयी पीढ़ी के चरित्र निर्माण तथा प्रतिभा को प्रखरता देने के बहुआयामी प्रयासों में निरन्तर सक्रिय। मानव धर्म एवं संस्कृति के अमृत तत्व को जन साधारण तक पहुँचाने और जन मानस में उसकी प्रभावी इच्छा जगाने का महत कार्य कृत–संकल्पता के साथ।

पुष्करलालजी का यह संक्षिप्त परिचय, उनके व्यक्तित्व एवं दीर्घकालीन बहुमुखी जनसेवा की एक झलक मात्र प्रस्तुत करता है। ऐसे निष्काम एवं समर्पित सेवाकर्मी को हम हार्दिक श्रद्धा एवं शुभेच्छाएं निवेदित करते हुए मंगलकामना करते हैं कि वे दीर्घायु हों और उनसे प्रेरणा–प्रोत्साहन पाकर, उनके आदर्शों का अनुसरण कर राष्ट्र के भावी निर्माता, जीवन में सच्चे कर्मयोगी और सेवाव्रती बनें।



विचार मंच द्वारा आयोजित अभिनन्दन समारोह में बायें से
श्री सरदारमल कांकरिया, श्री अभयसिंह सुराना, डॉ. धर्मशीला भुवालका,
श्री कन्हैयालाल सेठिया, श्री राधाकृष्ण कानोड़िया, श्री माधोदास मूंधड़ा,
श्री पुष्करलाल केडिया एवं श्री दीपचन्द नाहटा



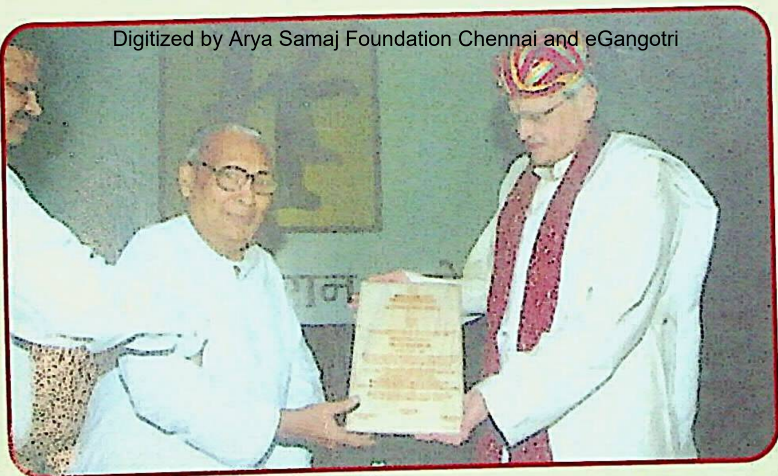
राजस्थान स्थापना की स्वर्ण जयन्ती के अवसर पर श्री पुष्करलाल केडिया
को राजभवन में भामाशाह सेवा सम्मान प्रदान करते हुए पश्चिम बंगाल के
राज्यपाल महामहिम श्री वीरेन जे. शाह (3.4.2000)



श्री बड़ाबाजार कुमारसभा पुस्तकालय द्वारा आयोजित विशेष समारोह में
सम्मान पदक से श्री पुष्करलाल केडिया को सम्मानित करते हुए
श्री नानाजी देशमुख एवं आचार्य विष्णुकान्त शास्त्री ।



पश्चिम बंगाल के भूतपूर्व मुख्यमंत्री माननीय श्री ज्योति वसु ''उत्कृष्ट सेवा कार्य'' हेतु सम्मान पत्र प्रदान करते हुए (23.4.2006)



पश्चिम वंगाल के राज्यपाल माननीय श्री गोपाल कृष्ण गांधी के कर–कमलों से ''उत्कृष्ट समाजसेवी'' का प्रशस्ति–पत्र ग्रहण करते हुए (राजस्थान फाउण्डेशन 2006)

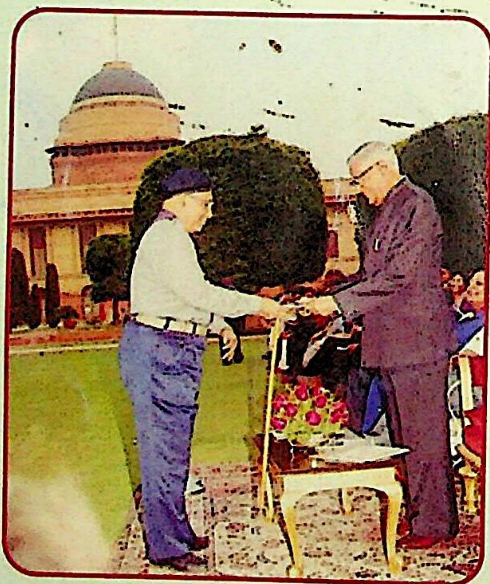




असम के राज्यपाल माननीय श्री अजय सिंह से ''महाराणा प्रताप की प्रतिमा'' प्राप्त करते हुए (राजस्थान फाउण्डेशन 2006)



राष्ट्रपति श्री फखरुद्दीन अली अहमद से स्काउट आन्दोलन का द्वितीय सर्वोच्च सम्मान "सिल्वर स्टार" प्राप्त करते हुए श्री पुष्करलाल केडिया।



राष्ट्रपति श्री वेंकटरमण से स्काउट का सर्वोच्च पुरस्कार "सिल्वर एलीफैन्ट" ग्रहण करते हुए श्री पुष्करलाल केडिया

प्रकाशक : भारतीय बाल कल्याण संस्थान, कानपुर
मुद्रक : एम. एम. इन्टरप्राइजेज : 09903052310